भारतीय गैर न्यायिक

भारत

दस रुपये

रु.10 Rs.10

सत्यमेव जयते

INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

86AC 841198

NOTARY SUNIL KUMAR SRIVASTAVA Adv. & NOTARY LUCKNOW Reg. No. 31(67) 2000 GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

प्ररूप–26

(नियम 4क देखिए)

8 लखनऊ–उन्नाव स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र से *विधान परिषद उ0प्र0 लखनऊ* के लिए निर्वाचन के लिए रिटर्निंग आफिसर के समक्ष अभ्यर्थी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला शपथ–पत्र।

(भाग–क)

मैं *सुनील कुमार* **पुत्र ***श्री गुरु प्रसाद*** आयु ***35*** वर्ष, जो ***ग्राम–बचुआखेड़ा, मजरा–हिलौली, पोस्ट–हिलौली, जनपद–उन्नाव*** का निवासी हूँ और उपरोक्त निर्वाचन से अभ्यर्थी हूँ, सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञा करता हूँ शपथपत्र पर निम्नलिखित कथन करता हूँ :–

(1) मैं ***समाजवादी पार्टी*** (**राजनैतिक दल का नाम) द्वारा खड़ा किया गया अभ्यर्थी / **एक स्वतन्त्र अभ्यर्थी के रूप में लड़ रहा हूँ। (**जो लागू न हो उसे काट दे)

(2) मेरा नाम ***167 पुरवा विधानसभा, उ0प्र0*** (निर्वाचन क्षेत्र और राज्य का नाम) में भाग संख्या ***363*** के क्रम संख्या ***856*** पर प्रविष्ट है।

(3) मेरा टेलीफोन नम्बर ***9415785049*** है।

मेरा ई–मेल आईडी (यदि कोई हो तो) **sunilsamajwadi@gmail.com** है।

मेरा सोशल मीडिया एकाउण्ट (यदि कोई हो तो) ....**नहीं**

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P. INDIA

(4) स्थाई लेखा संख्यांक (पैन) के ब्यौरे और आयकर विवरणी फाइल करने की प्रास्थिति :

क्र0सं0	नाम	पैन	वित्तीय वर्ष जिसके लिए अंतिम आयकर विवरणी फाइल की गई है।	आयकर विवरणी में उपदर्शित कुल आय (रूपये में)
1	स्वयं	BMWPS7147B	2014–15	6,20,234/–
2	पति या पत्नी	ADBPY1749C	2014–15	5,27,442/– NOTARY
3	आश्रित–1	*नहीं*	*नहीं*	*नहीं*
4	आश्रित–2	*नहीं*	*नहीं*	*नहीं*
5	आश्रित–3	*नहीं*	*नहीं*	*नहीं*

(5) मैं ऐसे किसी लंबित मामले में दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त ही हूँ जिसमें सक्षम अधिकारिता वाली न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए है।

यदि अभिसाक्षी ऐसे किसी अपराध (अपराधों) का/की अभियुक्त है तो वह निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करेगा/करेगीः–

(i) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है जिसमें दो वर्ष या अधिक के कारावास से दंडनीय किसी अपराध के लिए न्यायालय द्वारा आरोप विरचित किया गया है/किए गए है।

(क)	मामला/प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या/संख्याओं सहित संबंधित पुलिस थाना/जिला/राज्य के पूर्ण ब्यौरे	*लागू नहीं*
(ख)	संबंधित अधिनियम (अधिनियमों) की धारा (धाराएं) और अपराध (अपराधो) का संक्षिप्त विवरण जिसके (जिनके) लिए आरोपित किया गया है	*लागू नहीं*
(ग)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	*लागू नहीं*
(घ)	न्यायालय जिसके (जिनके) द्वारा आरोप (आरोपों) की विरचना की गई	*लागू नहीं*
(ड़)	तारीख (तारीखें) जिनको आरोप विरचित किए गये थे	*लागू नहीं*
(च)	क्या सभी या कोई कार्यवाही किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा रोकी गई है/है	*लागू नहीं*

(ii) निम्नलिखित मामला (मामले) मेरे विरूद्ध लंबित है/हैं, जिनमें न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया गया है (पूर्वोक्त मद(i) में वर्णित मामलों से भिन्न):–

(क)	न्यायालय का नाम, मामला संख्या और संज्ञान लेने के आदेश की तारीख	*1–ए0सी0जे0एम0 कक्ष सं0 30, लखनऊ* *वाद सं0–1405/14* *सरकार बनाम अजय कुमार एवं अन्य।* *तारीख ज्ञात नही।* *2–ए0सी0जे0एम0 द्वितीय, लखनऊ* *वाद सं0–6434/10*

NOTARY
SUNIL KUMAR SRIVASTAVA
Adv. & NOTARY
LUCKNOW
Reg. No. 31(57) 2000
GOVT. OF U.P. LUCKNOW INDIA

Sunil Kumar Srivastava
Adv. & NOTARY
Lucknow U.P INDIA